



हम ऐसी दुनिया में जीते हैं जहां फेसबुक पर हमारे बहुत से दोस्त हैं पर फिर भी हमने मानवीय लगाव खो दिया है।
-रॉबिन शर्मा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube | 4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 245 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 13 अक्टूबर, 2026

पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो मैचों... 7 बंगाल की सियासत में फिर नई... 3 भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को... 2

साहिया पर बॉर्दिश, संजय शर्मा ने सेंसर बोर्ड को बॉबे हाई कोर्ट में घेरा

» सहिया के रिलीज सर्टिफिकेट विवाद ने खड़े किए अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े सवाल

» सहिया के पर्दे तक पहुंचने का रास्ता कब खुलेगा?

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। फिल्म सहिया के निर्माता एवं निर्देशक संजय शर्मा ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड सीबीएफसी द्वारा फिल्म को प्रमाणपत्र देने से इनकार किए जाने के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर 2026 को निर्धारित है। संजय शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल तथा अधिवक्ता मोहम्मद हैदर और मोहम्मद तलहा अदालत में पक्ष रखेंगे। प्रमाणपत्र न मिलने से फिल्म की रिलीज और उससे जुड़ी तैयारियां प्रभावित हो रही है।

अगस्त में शुरू हुआ विवाद

फिल्म पूरी बन जाने के बाद संजय शर्मा ने सेंसर बोर्ड में रिलीज सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया जिस पर सेंसर बोर्ड ने फिल्म को नवसलवाद से जुड़ा बताकर प्रमाणपत्र देने में बाधा पैदा करना शुरू कर दी और अंत में सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया गया। संजय शर्मा का कहनाह है कि फिल्म में एक आम इंसान हिंसा का विरोध करता है और कहानी का केंद्र मानवीय रिश्ते हैं। उनका कहना है कि उन्हें स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि फिल्म का

कौन सा खास दृश्य या संवाद नवसलवाद को बढ़ावा देने वाला माना गया। यदि किसी फिल्म के किसी हिस्से पर आपत्ति है तो उस आपत्ति का स्पष्ट आधार सामने आना जरूरी है ताकि निर्माता अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रख सकें। संजय शर्मा ने कहा एक दम से पूरी फिल्म को रद्द करना यह हिटलरशाली है और वह इसके खिलाफ न्यायालय पहुंचेंगे जहां उमर्दा है कि उनकी बात सुनी जाएगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

14

अक्टूबर को सुनवाई कपिल सिब्बल करेंगे पैरवी

फिल्म की रिलीज रुकी पूरी टीम पर असर

फिल्म सहिया के निर्माता एवं निर्देशक संजय शर्मा के मुताबिक प्रमाणपत्र न मिलने से फिल्म की रिलीज और उससे संबंधित तैयारियां प्रभावित हुई हैं। किसी फिल्म के निर्माण में केवल निर्माता और निर्देशक ही नहीं बल्कि कलाकार तकनीशियन और अनेक दूसरे लोग भी अपना समय श्रम और संसाधन लगाते हैं। रिलीज की योजना रुकने पर इन सभी की मेहनत और निवेश पर असर पड़ रहा है। सहिया में नीरज काबी शांतनु मादेश्वरी और रिकू राजगुरु जैसे कलाकार हैं। फिल्म की प्रोड्यूसिंग और कथानक को देखते हुए निर्माता इसे उन आम लोगों की कहानी के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जिनकी आवाज संघर्ष की बड़ी खबरों के बीच दब जाती है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि फिल्म

कपिल सिब्बल ने भी उठाए थे सवाल

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने फिल्म सहिया दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई की बात भी कही थी। उन्होंने यह सवाल उठाया था कि कहीं फिल्म को रोकने की वजह उसके साथ जुड़ा 4PM नाम तो नहीं है। इस पहलू ने विवाद को एक और दिशा दी। यदि किसी फिल्म को लेकर आपत्ति है तो उसका आधार फिल्म की सामग्री और लागू नियम होने चाहिए। किसी फिल्मकार निर्माता या उससे जुड़े मीडिया संस्थान के नाम नहीं होना चाहिए।

सवाल एक फिल्मी स्क्रिप्ट का नहीं बल्कि सियासी स्क्रिप्ट का है

फिल्म सहिया की कहानी झारखंड के नवसल प्रभावित क्षेत्र की प्रोड्यूसिंग में एक नवनिर्वाचित दंपती की जिंदगी के इर्दगिर्द बुनी गयी है। फिल्म में उन साधारण लोगों के सपनों रिश्तों और मुश्किलों को सामने लाने का प्रयास किया गया है जिनका जीवन हिंसा भय और संदेह के माहौल से प्रभावित होता है। निर्माता निर्देशक संजय शर्मा का कहना है कि फिल्म का उद्देश्य हिंसा को बढ़ावा देना या उसका महिमागंडन करना नहीं है बल्कि वह फिल्म के माध्यम से संघर्ष और बदलू के बीच सबसे ज्यादा नुकसान आम आदमी को उठाना पड़ता है यह दिखाना चाहते हैं। प्रेम भरोसा और जीवन की उमर्दा को बचाए रखने की जटिलता ही फिल्म का मूल भाव है।

सहिया के पर्दे तक पहुंचने का रास्ता कब खुलेगा?

फिल्म सहिया के निर्माता एवं निर्देशक संजय शर्मा ने न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा जताया है। उनकी मान्यता है कि फिल्म को उसके पूरे संदर्भ में देखा जाए और दर्शकों तक पहुंचने का अवसर मिले। अधिवक्ता कपिल सिब्बल के साथ मोहम्मद हैदर और मोहम्मद तलहा पैरवी करेंगे। 14 अक्टूबर की सुनवाई में मामले की दिशा स्पष्ट हो सकती है। सहिया का विवाद एक बुनियादी प्रश्न छोड़ता है कि संवैधानिक सामाजिक परिस्थितियों पर फिल्म बनाते

समय निर्माता और प्रमाणन बोर्ड के बीच मतभेद हो तो उनका समाधान किस तरह पारदर्शी और कानूनी प्रक्रिया से किया जाए? फिल्मकार को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और बोर्ड को अपने निर्णय का आधार स्पष्ट करने में सक्षम होना चाहिए। 14 अक्टूबर की सुनवाई इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसके जस्टिस फिल्म के प्रमाणन विवाद पर कानूनी बहस आगे बढ़ेगी और पता चलेगा कि सहिया के पर्दे तक पहुंचने का रास्ता कब खुलेगा।

राहुल की चाय की प्याली से सियासी तूफान!

» इंडिया गठबंधन की हाई-टी ज्ञानेश कुमार पर वार

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी की हाईटी पार्टी के आयोजन ने देश में चल रहे सियासी तूफान में चक्रवात लाने का काम किया है। आज की चाय पार्टी में चर्चा का मुद्दा चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रहे।

दिल्ली में लोकतंत्र बचाओ मार्च और सुप्रीम कोर्ट में संयुक्त याचिका के बाद राहुल गांधी ने आज इंडिया गठबंधन के



नेताओं सामाजिक संगठनों और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों को हाई टी पर

बुलाया बैठक राहुल गांधी के 5 सुनेहरी बाग रोड स्थित आवास पर आयोजित हुई।

चाय के साथ समोसा नहीं ज्ञानेश का इस्तीफा था मेन्यू में

राहुल गांधी के घर पर आयोजित इस हाई टी में पैसे जाने वाले नारते पर भी खूब चर्चा हो रही थी। लोग पूछ रहे थे कि चाय के साथ समोसे पकौड़े या फिर दूसरे पकवान पसेसे जाओ या नहीं फिलहाल राजनीतिक मेन्यू में चुनाव आयोग एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर उठे सवाल ही हाई टी में सबसे ऊपर रहे।

हाई-टी के बहाने राहुल गांधी एक बार फिर कुछ बड़ा पकाने की कोशिशों में लग चुके हैं।

सड़क पर मार्च, अदालत में चुनौती और अब हाई-टी

हाई टी के बहाने विपक्ष अपने अभियान को लगातार आगे बढ़ रहा है। सोमवार को नेता सड़क पर उतरे फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और आज गठबंधन के नेताओं ने राहुल गांधी के साथ चाय पर चर्चा की। यानि कि हाई टी के बहाने राहुल गांधी एक बार फिर कुछ बड़ा पकाने की कोशिशों में लग चुके हैं। राहुल गांधी लगातार मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठा रहे हैं और कह चुके हैं कि जबतक उनका इस्तीफा नहीं होगा सुट्टा शांत नहीं होगा। आज की हाई-टी में गठबंधन

के नेताओं के साथ सामाजिक और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया था। राहुल गांधी अपने आदोलन को व्यापक बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं और हो सकता है कि जल्द ही उनका कोई नया कार्यक्रम सामने आये।

भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को अपने हिसाब से चला रही : अखिलेश यादव

» बोले-चुनाव आयोग सामने आए, कहे भाजपा के इशारे पर नहीं करेगा काम नौकरशाही भी सुधरे

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और नौकरशाही भाजपा के इशारे पर काम कर रही है। भाजपा संवैधानिक संस्थाओं को अपने हिसाब से चला रही है। लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। भाजपा सत्ता से हटेगी, तभी यह संकट हटेगा। अखिलेश ने डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर लोहिया पार्क में श्रद्धांजलि देने के बाद ये बातें पत्रकारों से कहीं।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का रवैया और कार्य भेदभावपूर्ण है। अब दोबारा से वोट बनाने का अभियान चल रहा है, जिस एसआईआर प्रक्रिया में करोड़ों रुपए खर्च हुए, प्रचार हुआ और पूरा प्रशासन लगा, अब उसे शून्य कर दिया गया। एसआईआर में किसी का फर्जी वोट नहीं बनना चाहिए था, लेकिन मतदाता सूची में लाखों वोट फर्जी बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ की सदर विधानसभा में एक ही व्यक्ति के दस वोट बन गए हैं। चुनाव आयोग सामने आए और कहे कि वह भाजपा के इशारे पर काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि



मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग से हर बूथ पर दो-दो सौ वोट बढ़ाने के लिए कहा था

अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग से हर बूथ पर दो-दो सौ वोट बढ़ाने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री ने ऐसा निर्देश इसलिए दिया, क्योंकि उन्हें पता है कि चुनाव आयोग भाजपा और सरकार के इशारे पर

काम कर रहा है। भाजपा चाहती है जो उसके सदस्य है, मतदाता सूची में सिर्फ उन्हीं का नाम रहे। केवल भाजपा के सदस्य ही देश के नागरिक रहें। हम सब जानते हैं कि जिसका वोट नहीं, वह देश का नागरिक नहीं रहेगा।

विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। जनता और सपा कार्यकर्ता भाजपा की चार सौ बीसी नहीं चलने देंगे। भाजपा ने हिटलर की तर्ज पर

प्राइवेट फोर्स बना रखी है। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी व श्याम लाल पाल प्रदेश भी उपस्थित रहे।

आजमगढ़ की सदर विस में विकास यादव नाम के दस वोट

आजमगढ़ की सदर विधानसभा में विकास यादव नाम के दस वोट हैं, एक वोट विकास यादव डालेगा और बाकी नौ वोट भाजपा के लोग डाल देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों के साथ अमानवीय और बर्बरतापूर्ण करवाई कर रही है। महिला पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार हो रहा है।

100 से अधिक विधानसभा सीटों पर हजारों डुप्लीकेट

मतदाता यूपी की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर डुप्लीकेट नाम दर्ज होने का आरोप लगाते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से शिकायत की है। सोमवार को सपा की टीम मतदाता सूची के बंडल लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पहुंची और ज्ञापन सौंपकर विधानसभा चुनाव-2027 से पहले सूची दुरुस्त करने की मांग की। सपा का दावा है कि प्रदेश की 100 से अधिक विधानसभा सीटों पर हजारों डुप्लीकेट मतदाता मिले हैं। एक ही व्यक्ति का नाम अलग-अलग वोटर आईडी नंबर पर कई बार दर्ज है। पार्टी ने सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक बूथ पर जांच कराने की मांग की है।

इन विधानसभा क्षेत्रों के लिए उदाहरण

ज्ञापन में कन्नौज के छिबरामऊ, इटावा के जसवंतनगर और श्रावस्ती समेत कई क्षेत्रों के उदाहरण दिए गए हैं। सहारनपुर, मथुरा, आगरा, बरेली, लखनऊ, कानपुर नगर, बलिया और जौनपुर में भी ऐसी गड़बड़ियों का दावा किया गया है। सपा ने इसे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता से जुड़ा मुद्दा बताते हुए निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची शुद्ध करने की मांग की।

अखिलेश का विजन डेवलपमेंट हम उनके साथ हैं : धनराज

लखनऊ। सपा के नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद धनराज नाथवानी ने लखनऊ स्थित विधानमंडल पहुंचकर अपनी जीत का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के विकास कार्यों और उनके विजन की सराहना की। धनराज नाथवानी ने कहा कि अखिलेश यादव का विजन विकास का है। उन्होंने मेट्रो और एक्सप्रेस-वे जैसे कार्यों का उल्लेख किया। कहा कि विकास के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता है। हम इसी विकासवादी विजन के साथ खड़े हैं। सूत्रों के अनुसार वह चार्टर्ड प्लेन से लखनऊ आए और प्रमाण पत्र लेकर चार्टर्ड प्लेन से लौट गए। उन्होंने लखनऊ में ज्यादा समय नहीं बिताया। मालूम हो कि वह हाल ही में सपा के समर्थन से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।



शाह व मोदी पर बरसी शिवसेना यूबीटी

» सामना में लगाया गया तानाशाही का आरोप

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने केंद्र और राज्य प्रशासन पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तानाशाही वाले तरीके अपनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि दिल्ली और मुंबई में छात्रों, महिलाओं और पत्रकारों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से पूरे देश में अशांति का माहौल बन गया है। उद्धव ठाकरे की पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना में छपे एक संपादकीय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की।

पार्टी ने पुलिस की कथित ज्यादतियों पर उनकी चुप्पी को लेकर यह आलोचना की। संपादकीय में दावा किया गया कि विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके ने गृह युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए हैं, साथ ही



अधिकारियों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग करने का आरोप भी लगाया गया। अखबार के संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली और मुंबई में पुलिसकर्मियों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों - जिनमें छात्र, महिलाएं और पत्रकार शामिल थे - के खिलाफ बल प्रयोग किया। इसमें सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों का भी

जक्ति किया गया है जो बिना दंगे-फसाद की स्थिति में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करने से संबंधित हैं।

अखबार के संपादकीय के अनुसार, दिल्ली में महिला प्रदर्शनकारियों और पत्रकारों के साथ बुरा बर्ताव किया गया। वहीं, एक सत्याग्रह के दौरान सांसद जॉन ब्रिटस, CPI के जनरल सेक्रेटरी एम.ए. बेबी और केरल में विपक्ष के नेता पी. विजयन समेत कई नेताओं को कथित तौर पर घसीटा गया, पीटा गया और पुलिस वैन में ले जाया गया। अखबार ने दावा किया कि मुंबई में भी ऐसे ही हालात देखने को मिले, जहां शिवाजी पार्क के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और कॉलेज की छात्राओं को कथित तौर पर घसीटकर पुलिस की गाड़ियों में डाला गया। पार्टी ने अपने संपादकीय में प्रदर्शनों से निपटने के तरीके की आलोचना करते हुए ये आरोप लगाए।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए विपक्ष चुप नहीं बैठेगा : तेजस्वी

» राजद नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मांगा इस्तीफा

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए उनसे पद छोड़ने की मांग की। दिल्ली में मार्च और विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए विपक्ष चुप नहीं बैठ सकता।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और चुनाव में कथित वोट चोरी और अनियमितताओं के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। पत्रकारों ने बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव

ने कहा कि विपक्ष ने सबसे पहले बिहार से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ आवाज उठाई थी। विपक्ष ने पहले भी चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया था। चुनाव में कथित तौर पर वोटों की चोरी कराई गई और फर्जी चुनाव कराया गया। लोकतंत्र पर लगातार हमले हो रहे हैं और उसे कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे हालात में विपक्ष के लिए चुप रहना संभव नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश में निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा जरूरी है। इन उद्देश्यों के लिए जो भी कुर्बानी देनी पड़ेगी, विपक्ष उसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हम हर कुर्बानी देने के लिए तैयार हैं। इसी क्रम में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से पद छोड़ने की मांग की।

जनता की सुरक्षा के लिए उठाए गए सुरक्षा कदम : जयंत

» रालोद अध्यक्ष ने विपक्ष के जारी प्रदर्शनों पर उठाया सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दिल्ली में जारी विरोध प्रदर्शनों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति के सामने अपनी बात रख दी है, तो विरोध जारी रखने का क्या औचित्य है? उन्होंने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और जनता की सुरक्षा के लिए अधिकारियों द्वारा उठाए गए सुरक्षा कदमों का बचाव किया।

हाथरस में पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने कर्तव्य निभाने के लिए पुलिस की



सराहना की। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई दिनों से राष्ट्रीय राजधानी में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती देख रहे हैं। दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में जारी प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, लोकतंत्र में विरोध करने का एक तरीका होता है। जब विपक्षी दल पहले ही राष्ट्रपति से मिलकर

अपनी समस्या बता चुके हैं, तो सड़कों पर डटे रहना कितना सही है? इससे पहले, आगरा जिले के फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र में रालोद की 'स्वाभिमान रैली' को संबोधित करते हुए चौधरी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों ने मुझ पर हमले किए, लेकिन कई तीर मुझ तक नहीं पहुंचे। वे मेरी कीमत आंकने की कोशिश कर रहे थे। जो लोग मुझे एक 'चवन्नी' के बराबर भी नहीं समझते, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि मैं तो ब्रज की धूल के बराबर भी नहीं हूँ।



बामुलाहिजा
कार्टून: हसन जैदी

बंगाल की सियासत में फिर नई सुगबुगाहट

उपचुनाव में भाजपा की जीत से हुमायूँ कबीर आहत

टीएमसी के बागी गुट में सुनाई दे रही बगावत

» नेताओं ने अफवाहों को किया खारिज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में उपचुनाव में भाजपा को जीत मिली। सबसे बड़ा झटका हुमायूँ कबीर को लगा उनका बेटा हार गया। हालांकि इससे ज्यादा सनसनीखेज खबर टीएमसी के बागी सांसदों में भी बगावत की है। कोलकाता में हुई अहम बैठक से 10 गायब, काकोली-सयानी-पटान भी नहीं आए। कोलकाता में टीएमसी के बागी सांसदों की एक बैठक हुई। लेकिन इस बैठक में 10 सांसद शामिल ही नहीं हुए। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि क्या बागी सांसदों के गुट में सबकुछ ठीक है?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद बगावत करने वाले तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के बीच भी अब बगावत होने की अटकलें हैं। टीएमसी से अलग होकर नेशनल सिटीजंस पार्टी ऑफ इंडिया-एनसीपीआई के साथ जुड़ने वाले 20 बागी सांसदों के बैठक हुई, जिसमें 10 सांसद शामिल ही नहीं हुए। यह बैठक लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पास लंबित अयोग्यता याचिका के मद्देनजर अपने अगले कानूनी और राजनीतिक कदमों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। बैठक से 10 सांसदों के गायब रहने के मुद्दे को बाकी सांसद ज्यादा तवज्जो नहीं दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई सांसद विदेश में थे, कुछ को पारिवारिक काम थे और कुछ की दूसरी जगह बैठकें थीं, इसलिए इस बैठक में नहीं आ सके।

हुमायूँ कबीर ने पुलिस प्रशासन पर लगाए आरोप

हुमायूँ कबीर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और मुर्शिदाबाद जिले के पुलिस अधिकारियों ने पिछले दो महीनों में भाजपा उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम किया। उन्होंने दावा किया कि यह जनता का वास्तविक जनादेश नहीं है, बल्कि पुलिस प्रशासन का इस्तेमाल करके भाजपा को जिताया गया है। हुमायूँ कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के मॉडल पर मस्जिद बनाने की घोषणा की थी। इस मस्जिद की आधारशिला 6 दिसंबर 2025 को रेजीनगर में रखी गई थी। उन्होंने कहा कि वह 6 दिसंबर 2028 तक मस्जिद का निर्माण पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह दुबई जाकर 10 साल के गोल्डन वीजा पर रहने की योजना बना रहे हैं।



रेजीनगर उपचुनाव में भाजपा की बड़ी जीत

मुर्शिदाबाद जिले की मुस्लिम बहुल रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की। भाजपा उम्मीदवार शंकरराव सरकार ने आम जनता उन्नयन पार्टी के उम्मीदवार गोলাম नबी आजाद को 75,816 वोटों के बड़े अंतर से हराया। इस नतीजे को इलाके की राजनीति में भाजपा की महत्वपूर्ण सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। उपचुनाव में अपने बेटे की हार के बाद हुमायूँ कबीर ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

अयोग्यता की याचिका स्पीकर के सामने दायर की गई थी

20 सांसदों के खिलाफ अयोग्यता की याचिका स्पीकर के सामने दायर की गई थी, जिसमें उनमें से हर एक के खिलाफ अलग-अलग शिकायतें की गई थीं। TMC के ममता बनर्जी गुट ने भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इसके बाद स्पीकर के कार्यालय ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के बाद सांसदों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा। ममता गुट के सांसद कल्याण बनर्जी पहले ही दावा कर चुके हैं कि 20 बागी सांसदों को एक साल के भीतर अयोग्य ठहरा दिया जाएगा और फिर सभी 20 सीटों पर उपचुनाव होंगे। फिलहाल तो बागी नेता कार्यवाही को लंबा

खींचने पर अड़े हुए दिख रहे हैं। अगर स्पीकर उनकी हालिया मांग मान लेते हैं, तो सांसदों को अपना जवाब तैयार करने और टीएमसी से अलग होकर एनसीपीआई के साथ जुड़ने के अपने फैसले को समझाने के लिए दो हफ्ते और मिल जाएंगे। इस तरह, गुरुवार को कोलकाता में हुई बैठक में आम और राजनीतिक रूप से अहम, दोनों तरह की बातें हुईं। पूजा से पहले शानदार खाने-पीने के साथ-साथ एक ऐसी लड़ाई पर चर्चा हुई जो 20 सांसदों के संसदीय भविष्य को तय कर सकती है और शायद पूरे बंगाल में उपचुनाव भी करवा सकती है।

शताब्दी रॉय ने अटकलों को सिरों से खारिज

शताब्दी रॉय ने तो उपस्थिति को लेकर लगाई जा रही अटकलों को और भी सिरों से खारिज कर दिया उन्होंने कहा, देखिए, हम इस बात का हिसाब नहीं रख रहे हैं कि कौन आ रहा है या कौन जा रहा है, क्योंकि इसका कोई महत्व नहीं है। रॉय ने कहा कि गुप को पहले से पता था कि 10

सांसद शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि कुछ लोग बाहर थे और दूसरों के पहले से तय कार्यक्रम थे, जिनमें दिशा की बैठकें भी शामिल थीं। रचना बनर्जी ने इस मुलाकात को औपचारिक राजनीतिक बैठक के बजाय पूजा से पहले का मिलन-समारोह बताया। उन्होंने कहा, हम आज इसलिए

मिले क्योंकि पूजा आने वाली है और एक साथ मिलना बहुत जरूरी था। उन्होंने बताया कि सांसद आम तौर पर संसद में मिलते हैं जहां वे सब साथ होते हैं, जबकि बंगाल लौटने पर अपने-अपने चुनाव क्षेत्रों में वे अपने-अपने कामों में व्यस्त हो जाते हैं।

हुमायूँ कबीर का बड़ा एलान- दुबई चला जाऊंगा

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हुमायूँ कबीर का बयान चर्चा में है। आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख और नाओदा से विधायक हुमायूँ कबीर ने कहा है कि मुर्शिदाबाद

में प्रस्तावित मस्जिद का निर्माण पूरा करने के बाद वह दुबई चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि



वह वहां 10 साल के गोल्डन वीजा पर रहेंगे। हुमायूँ कबीर का यह बयान

रेजीनगर उपचुनाव में उनके बेटे की हार के बाद आया है। उन्होंने कहा कि मस्जिद का निर्माण दिसंबर 2028 तक पूरा करने के बाद वह दुबई में रहने की योजना बना रहे हैं।

बैठक में कौन आया कौन नहीं?

ये बैठक कोलकाता के एक होटल में सुदीप बंदोपाध्याय ने बुलाई थी। इस बैठक में दुर्गा पूजा से पहले सांसदों के लिए चिकन और मटन के अलावा पुलाव और मिठाइयों का इंतजाम भी किया गया था। हालांकि, बैठक में 10 सांसदों की गैर-मौजूदगी ने इसे एक राजनीतिक मोड़ दे दिया। बैठक में शामिल न होने वालों में काकोली घोष दस्तीदार, सयानी घोष, यूसुफ पटान, माला रॉय, जून मालिया, पार्थ भौमिक, मिताली बाग, कालीपदा सोरेन, देव और अस्मिता मल शामिल थे। वहीं, बैठक में बंदोपाध्याय के अलावा अबू ताहिर, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, बापी हलदर, रचना बनर्जी और अरुण चक्रवर्ती शामिल थे।

क्या सब कुछ ठीक नहीं

बागी गुट के आधे सांसदों की गैर-मौजूदगी के बाद सवाल उठता है कि क्या अंदर खाने सबकुछ ठीक चल रहा है? सांसदों की गैर-मौजूदगी के बारे में बांकुरा के सांसद अरुण चक्रवर्ती ने कहा, कोई अमेरिका गया है, किसी के बेटे की तबीयत ठीक नहीं है, तो किसी की दूसरी बैठक है। उन्होंने कहा कि जो सांसद नहीं आए, उनसे फोन पर संपर्क किया गया था। शर्मिला सरकार ने भी ग्रुप के भीतर किसी भी तरह के मतभेद की बात को खारिज करते हुए कहा, जो लोग नहीं आ पाए, उनके साथ किसी भी तरह की गलतफहमी का सवाल ही नहीं उठता।

अहम थी ये बैठक

यह बैठक बागी सांसदों के लिए राजनीतिक रूप से एक संवेदनशील मोड़ पर हुई। दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने के नोटिस का जवाब देने के लिए ओम बिरला ने जो दो हफ्ते का समय दिया था, वह गुरुवार को खत्म हो गया। काकोली घोष दस्तीदार ने पहले एक न्यूज एजेंसी को बताया था कि सांसदों ने अब जवाब देने के लिए और दो हफ्ते का समय मांगने का फैसला किया है। नोटिस में यह पूछा गया है कि सांसदों ने टीएमसी क्यों छोड़ी और एनसीपीआई के साथ क्यों जुड़े, और उनके खिलाफ दल-बदल विरोधी प्रावधान क्यों लागू नहीं किए जाने चाहिए? बागी सांसद पहले भी समय बढ़ाने की मांग कर चुके हैं। बागी सांसदों ने शुरू में सितंबर में जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय मांगा था, लेकिन स्पीकर ऑफिस ने उन्हें इसके बजाय दो हफ्ते का समय दिया था। नई मांग और दो हफ्ते के लिए है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

हर मन में बसी रहेगी क्रिकेटर हरमनप्रीत

महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देने वाली दिग्गज क्रिकेटर हरमनप्रीत सिंह ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया। कुछ विदाई ऐसी होती है, जो पद से भले ही हो जाए पर प्रभाव से नहीं होती। हरमनप्रीत कौर की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से विदाई भी ऐसी ही है, जो नेतृत्व की अमिट छाप छोड़ रही है। तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का उनका फैसला भारतीय महिला क्रिकेट में बदलाव की शुरुआत के साथ उस अध्याय का अंत भी है, जिसे इतिहास लंबे समय तक याद रखेगा। हरमनप्रीत कौर अब केवल खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरेंगी। हरमनप्रीत की कप्तानी का सबसे चमकदार पन्ना 2025 का विश्वकप है। हरमनप्रीत उस ऐतिहासिक टीम की कप्तान बनीं, जिसने विश्व मंच पर साबित किया कि भारतीय महिलाएं दबाव में भी इतिहास लिख सकती हैं। घरेलू मैदान पर भारतीय महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब जीता।

यह सिर्फ एक खिताबी जीत नहीं थी, बल्कि उस सोच की जीत थी, जिसमें महिला क्रिकेट को पुरुष क्रिकेट की छाया में नहीं अपनी अलग पहचान के साथ देखा जाने लगा था। उनकी उपलब्धियां विश्वकप तक ही सीमित नहीं रहीं। उनके नेतृत्व में भारत ने एशिया कप और एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जैसी बड़ी सफलताएं हासिल कीं। 2026 के एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतना उनके कप्तानी कार्यकाल का एक शानदार समापन बना। हरमनप्रीत की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद आंकड़ों और ट्रॉफियों से परे है। उन्होंने भारतीय बेटियों को भरोसा दिया कि क्रिकेट का मैदान उनका भी उतना ही है, जितना किसी और का। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, निर्भीक फैसलों और कठिन परिस्थितियों में नेतृत्व ने नई पीढ़ी को रास्ता दिखाया। अब स्मृति मंथान के हाथों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के नेतृत्व की कप्तान होगी। तीस वर्षीय स्मृति मंथाना पहले भी टीम की उपकप्तान रही हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज से उनके नए दौर की शुरुआत होगी। हर सफल टीम को समय-समय पर नई ऊर्जा, नए विचार और नए नेतृत्व की जरूरत होती है। हालांकि स्मृति पर उस विरासत को आगे बढ़ाने की चुनौती होगी, जिसे हरमनप्रीत ने अपने खून-पसीने से सींचा है। विश्वकप जीतने के बाद अपेक्षाएं बढ़ चुकी हैं। अब भारतीय महिला टीम से लगातार विश्व क्रिकेट में दबदबे की उम्मीद होगी।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्ष के बढ़ते दबाव के बीच संवाद भी जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

पिछले हफ्ते, जहां नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करने की खुशियां मनाईं- पहले बतौर गुजरात का मुख्यमंत्री रहते और पिछले 12 सालों से प्रधानमंत्री के रूप में- वहीं राहुल गांधी और उनकी राजनीति भी वक्त के साथ परिपक्व हुई। मार्का बन चुकी अपनी सफेद टी-शर्ट और खाकी कार्गो पैंट पहने, कांग्रेस नेता उन पीले बैरिकेड्स पर चढ़ गए जिनसे दिल्ली का हर निवासी भली-भांति वाकिफ है और उन्होंने तिरंगा लहराया। उनकी बहन प्रियंका उनके बगल में खड़ी थीं और उन्होंने भी यही किया। एक दिन बाद, वह सड़क पर लेट गईं और सीने पर संविधान की एक प्रति थी; पुलिस को उन्हें उठाने को ललकारा। उसने वही किया। भारतीय राजनीति में पिछला सप्ताह उन हफ्तों में से एक रहा, जब तरह-तरह की गहमागहमी सुर्खियों में छाई और बनी रहीं। नोएडा के जेवर एयरपोर्ट का नाम बदलकर नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को गत शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च करने की इजाजत नहीं दी। दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने भारतीय युवा कांग्रेस से, जिसने विरोध प्रदर्शन करने की अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी, कहा, 'इतनी जल्दी क्या है'? सुनवाई सोमवार को होगी। सीजेपी ने कहा है कि वह फिर भी आगे बढ़ेगी और जानना चाहती है कि उसे विरोध करने के हक से क्यों वंचित किया जा रहा है, जोकि संविधान प्रदत्त एक अधिकार है- अनुच्छेद 19(1)(ए) आपको शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के इकट्ठा होने का अधिकार देता है, अनुच्छेद 19(1)(सी) नागरिकों को असहमति जताने, रैलियां करने और सामूहिक रूप से मुद्दे उठाने की अनुमति देता है, जबकि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा

करता है, जिसकी व्याख्या बृहद रूप से शांतिपूर्वक और सम्मान के साथ अपनी शिकायतें व्यक्त करने के अधिकार के रूप में की गई है। दिल्ली को एक किले में बदला गया। राजधानी की सुरक्षा के लिए लगभग 23,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। वाराणसी से दिल्ली आने वाली रेलगाड़ियों सहित कई रेलगाड़ियां रद्द कर दी गईं। मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए। सीमाएं सील कर दी गईं। सवाल यह है कि केंद्र सरकार अचानक इतनी बौखलाई हुई क्यों दिख रही है? सत्ता की बागडोर मजबूती से उनके हाथ में है और अगले ढाई साल तक कोई उन्हें हिला भी नहीं



सकता। योगी आदित्यनाथ की कहीं जाने की संभावना नहीं है— भले ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन कर लें, फिर भी योगी की बीजेपी को हराना मुश्किल होगा। जहां तक पंजाब की बात है, चुनावी लिहाज से यह बहुत छोटा राज्य है, यहां मात्र 13 लोकसभा सीटें हैं, हालांकि पंजाब का जोश लोगों के मूड का एक शानदार संकेत अवश्य बना हुआ है। दिल्ली के हुक्मरानों में फैली इस घबराहट का एक शब्द में जवाब है नौकरियां। सरकार को अच्छी तरह पता है कि इस मामले में वह कमजोर स्थिति में है, शायद सत्ता में अपने 12 सालों में पहली बार, क्योंकि देश के युवा पूरी तरह से उनके साथ नहीं हैं। भारत की चर्चित और ख्यात-कुख्यात 'जेन-जी' पीढ़ी के आंकड़ों को फिर से दोहराएं तो देश की कुल आबादी का 27 फीसदी हिस्सा- यानी हर चौथा

व्यक्ति - 15 से 29 साल की उम्र का है; 52 फीसदी आबादी यानी हर दूसरा व्यक्ति 30 साल से कम उम्र का है; और 140 करोड़ की आबादी में से 65 प्रतिशत लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। नीट पेपर लीक होना और परिणामतः उम्मीदों से भरे भारत के 20 साल के करीब के युवाओं को जो सदमा लगा, वह शायद इस तेजी से स्वरूप बदलते इस देश के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हुआ - एक ऐसा समय जब सब कुछ बेकार लगने लगा है; और भारत के चोटी के कॉलेजों में पढ़ना काफी नहीं रह गया, यहां तक कि आपके लिए यह धौंस देना भी कि 'तुम जानते नहीं

मेरे पिता कौन हैं', निष्प्रभावी हो गया है; जब अमेरिका और कनाडा आपके लिए दरवाजे बंद कर रहे हैं - वे आपकी कॉलेज शिक्षा से उगाहे जाने वाले पैसे तो चाहते हैं, लेकिन आपको नौकरी देना नहीं चाहते; यहां तक कि अब एच-1बी वीजा मिलना भी मुश्किल हो गया है। इतना ही नहीं, जैसे-जैसे सोशल मीडिया अपना एक अलग जगत बना रहा है और खबरें तुरंत मिल जाती हैं, टीवी एंकर अपनी प्रासंगिकता कम होती पा रहे हैं। रात के 9 बजने से पूर्व देशभर को पहले ही वह पता पता चल चुका होता है, जो आप सोचते हैं कि लोग जानना चाहेंगे। लाखों डिजिटल क्लिपटर्स के हाथ में व्यंग्य, तंज और कटाक्ष रूपी हथियार हैं और उन्होंने चुनिंदा प्राइम-टाइम इन्फ्लुएंसर्स की जगह ले ली है। बताने की जरूरत नहीं कि संविधान और उसके सभी अनुच्छेद भी अब इंस्टाग्राम पर हैं।

गणेश कला

श्राद्ध और तर्पण को केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, स्मृति, कृतज्ञता और पीढ़ियों से मिले संस्कारों को समझने की एक भारतीय दृष्टि के रूप में भी देखा जा सकता है। हमारे जेहन में शायद अपने पूर्वजों के नाम, गांव, कुछ पारिवारिक घटनाओं और उनसे जुड़ी कुछ स्मृतियां ही हैं। लेकिन हमारी सोच, व्यवहार, उर, आदतें और जीने के कुछ तरीके भी पिछली पीढ़ियों से हम तक पहुंचे हो सकते हैं। विज्ञान के मुताबिक, हमारी जैविक संरचना में डीएनए की अहम भूमिका है। हमें अपने माता-पिता से आनुवंशिक सामग्री मिलती है और इस तरह जैविक निरंतरता पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती रहती है। वहीं शोधों में सामने आया कि जीन की अभिव्यक्ति पर माहौल, जीवनशैली और अनुभवों का प्रभाव पड़ सकता है। इसे समझने को एपिजेनेटिक्स अहम क्षेत्र है। यहीं से भारतीय परंपरा में पूर्वजों के स्मरण व श्राद्ध-तर्पण को देखने का नया रास्ता खुलता है। मानव शरीर का बड़ा हिस्सा जल से बना है।

भारतीय दर्शन ने जल को पंचमहाभूतों में स्थान दिया। वहीं तर्पण में जल अर्पित करने में गहरा सांस्कृतिक प्रतीक है—'मैं अपने अस्तित्व की उस धारा को स्वीकार करता हूं, जो मुझसे पहले भी थी और मेरे बाद भी आगे जाएगी।' जल अर्पित करते समय व्यक्ति पूर्वजों का नाम लेता है। अपने अतीत को याद कर स्वीकार करता है कि उसका वर्तमान अकेले उसने नहीं बनाया। यह प्रक्रिया मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। कई भावनाएं ऐसी होती हैं जिन्हें हम व्यक्त नहीं कर पाते। किसी पूर्वज के प्रति कृतज्ञता, पुराने पारिवारिक दुख की याद या पीढ़ियों से चली आ रही

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मरण का अवसर



अनकही कहानी-इन सबका हमारे मन पर प्रभाव हो सकता है। श्राद्ध व्यक्ति को उन भावनाओं को देखने और स्वीकार करने का अवसर देता है। हम केवल अपना वर्तमान लेकर पैदा नहीं होते। हमारा व्यक्तित्व परिवार, समाज, संस्कार, वातावरण और अनुभवों से बनता है। परिवार में पीढ़ियों से चली आ रही कुछ आदतें और व्यवहार भी अगली पीढ़ियों में दिख सकते हैं। लेकिन इसे सीधे यह कहना कि 'पूर्वजों की स्मृतियां डीएनए में रिकॉर्ड होकर उसी रूप में हमारे भीतर चलती हैं', वैज्ञानिक रूप से सही नहीं होगा। डीएनए और व्यवहार के बीच संबंध कहीं अधिक जटिल है। आनुवंशिकता, वातावरण और जीन-अभिव्यक्ति के अध्ययन ने यह समझने का रास्ता जरूर खोला है कि जीवन के अनुभव जैविक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं।

इसीलिए वैज्ञानिक पीढ़ियों के बीच जैविक और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन करते हैं। इस दृष्टि से 'पूर्वजों के डीएनए पैटर्न की हीलिंग' को वैज्ञानिक सिद्ध तथ्य के बजाय एक विचारात्मक रूपक के रूप

में समझना अधिक उचित होगा। जल और भावनाओं के संबंध की चर्चा में जापानी लेखक और शोधकर्ता मसारा इमोटो का नाम अक्सर लिया जाता है। हालांकि उनके निष्कर्षों को मुख्यधारा के वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता है। फिर भी भारतीय तर्पण परंपरा को प्रतीकात्मक महत्व इससे कहीं पुराना है।

भारतीय चिंतन में जल केवल भौतिक पदार्थ नहीं, जीवन और चेतना की यात्रा का प्रतीक भी रहा है। इसलिए तर्पण के समय जल अर्पित करने को ऐसी सांस्कृतिक प्रक्रिया मान सकते हैं, जिसमें व्यक्ति अपने अतीत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है व अपना वर्तमान उस परंपरा से जोड़ता है। श्राद्ध का सबसे बड़ा परिवर्तन शायद हमारे भीतर होता है। जब कोई श्राद्ध से अपने पूर्वजों को स्मरण करता है, तो वह स्वयं अपने जीवन को देखने लगता है कि जीवन केवल 'मैं' तक सीमित नहीं है। मेरे भीतर मेरे माता-पिता हैं। मेरे माता-पिता के भीतर उनके माता-पिता की जीवन-कथा है। इस प्रकार मनुष्य स्वयं को एक लंबी जीवन-शृंखला की कड़ी के रूप में देख सकता है। यहीं श्राद्ध कृतज्ञता की

परंपरा बन जाता है। अद्वैत दर्शन भी कहता है कि अस्तित्व मूलतः विभाजित नहीं है। व्यक्ति स्वयं को अलग मानता है, लेकिन व्यापक अस्तित्व में सब एक ही निरंतरता का हिस्सा हैं। आधुनिक विज्ञान की भाषा अलग है। विज्ञान पदार्थ और ऊर्जा, कोशिका, अणु, परमाणु, आनुवंशिकी और जैविक प्रक्रियाओं की बात करता है। फिर भी दोनों के बीच एक संवाद संभव है। ब्रह्मांड में पदार्थ निरंतर रूप बदलता है। पृथ्वी के तत्व हमारे शरीर का हिस्सा बनते हैं। भोजन शरीर में जाता है। शरीर प्रकृति में लौटता है।

जीवन की जैविक निरंतरता पीढ़ियों के जरिए आगे बढ़ती है। भारतीय चिंतन इसी निरंतरता को पंचमहाभूत, जीवन-चक्र और पूर्वज परंपरा की भाषा में देखता रहा है। वैज्ञानिक प्रमाण यह नहीं कहते कि श्राद्ध या तर्पण करने से किसी का डीएनए सीधे बदल जाता है। इसी तरह तर्पण को आनुवंशिक रोगों के उपचार का वैज्ञानिक तरीका भी नहीं माना जा सकता। लेकिन मनुष्य केवल डीएनए नहीं। उसके भीतर स्मृतियां हैं, भावनाएं हैं, रिश्ते, संस्कार हैं और जीवन को देखने की धारणाएं हैं। यदि किसी पारिवारिक दुख को समझने, स्वीकारने व उसके साथ स्वस्थ संबंध बनाने से व्यक्ति के तनाव और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आता है, तो उसका प्रभाव मानसिक सेहत पर पड़ सकता है। इस तरह 'हीलिंग' का अर्थ डीएनए बदलना नहीं, बल्कि अपने भीतर पीढ़ियों से चली आ रही भावनात्मक व व्यावहारिक धारणाएं पहचानना हो सकता है। आजकल बच्चों को अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की कहानियां तक पता नहीं होतीं। ऐसे समय में श्राद्ध हमें पूछने का अवसर देता है-हम कहां से आए हैं और आने वाली पीढ़ी को हम क्या देकर जाएंगे?

हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है विटामिन डी

विटामिन डी का नाम पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। लोग अक्सर थकान, शरीर दर्द या कमजोरी को विटामिन डी की कमी से जोड़ देते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि शरीर में विटामिन डी की स्थिति कई कारकों पर निर्भर करती है और केवल लक्षणों के आधार पर इसकी कमी तय नहीं की जा सकती। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम के अवशोषण और हड्डियों के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा शरीर की कई अन्य जैविक प्रक्रियाओं में भी इसकी भूमिका होती है।

धूप क्यों महत्वपूर्ण है

सूर्य की किरणों के संपर्क में आने पर त्वचा शरीर में विटामिन डी बनाने की प्रक्रिया शुरू करती है। लेकिन हर व्यक्ति में इसका स्तर समान नहीं होता। त्वचा का रंग, उम्र, मौसम, भौगोलिक स्थिति, कपड़े और धूप में बिताया गया समय जैसे कई कारक प्रभावित करते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को इतने मिनट धूप जैसी एक ही सलाह सभी पर लागू नहीं की जा सकती। कुछ लोगों में भोजन, सूर्य के कम संपर्क, उम्र या अन्य कारणों से विटामिन डी का स्तर कम हो सकता है। ऐसी स्थिति में चिकित्सक रक्त जांच और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर सप्लीमेंट की सलाह दे सकते हैं।

जांच कब

हर व्यक्ति को नियमित रूप से विटामिन डी की जांच की आवश्यकता हो, ऐसा जरूरी नहीं। जिन लोगों में कमी का जोखिम अधिक हो या जिनमें चिकित्सकीय कारण से जांच जरूरी हो, डॉक्टर जांच की सलाह दे सकते हैं।

क्या गोली लेनी चाहिए

विटामिन डी की जरूरत व्यक्ति की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग हो सकती है। बिना जरूरत लंबे समय तक उच्च मात्रा में सप्लीमेंट लेने से शरीर में कैल्शियम का स्तर बहुत अधिक हो सकता है और नुकसान हो सकता है। इसलिए सप्लीमेंट की खुराक डॉक्टर की सलाह से लेना बेहतर है। इसलिए केवल सप्लीमेंट से हड्डियां मजबूत नहीं होती हैं। बल्कि हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए संतुलित पोषण और शारीरिक गतिविधि भी महत्वपूर्ण हैं।

हड्डियों के लिए ये भी महत्वपूर्ण

हड्डियों की मजबूती के लिए पर्याप्त कैल्शियम, प्रोटीन, शारीरिक गतिविधि और मांसपेशियों की ताकत भी महत्वपूर्ण हैं। उम्र बढ़ने के साथ गिरने और फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने के लिए संतुलित और मांसपेशियों की क्षमता पर ध्यान देना भी उपयोगी है। इसलिए संतुलित आहार, उचित सूर्य संपर्क, नियमित शारीरिक गतिविधि और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय जांच—यही संतुलित तरीका है। इसलिए विटामिन डी जरूरी है, लेकिन इसके प्रति जागरूकता का मतलब अनावश्यक सप्लीमेंट लेना नहीं है।

मनीष कुमार मोर्य



हंसना मना है

पुलिसवाला चौराहे पर चेकिंग कर रहा था... पुलिसवाला (पप्पू से) - इस बैग में क्या है? पप्पू - बताते हैं...! पुलिसवाले ने फिर से पूछा- अरे क्या है इसमें... पप्पू- बताते हैं... बताते हैं... पुलिसवाले ने तुरंत मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुला लिया! उन्होंने जैसे ही बैग को खोला... हवलदार बोला- साहब इसमें तो बतासे हैं! पुलिसवाला (पप्पू से)- इसमें बतासे हैं तो इतनी देर से तू बोल क्यों नहीं रहा था... पप्पू - इती देल से यही तो बता लहा था ती इतमें बताते हैं बताते हैं! ये सुनकर पुलिसवाला बेहोश...

पत्नी ने पति से प्लाजो दिलाने की जिद की... पति ने तुरन्त पिताजी का 36 इंच मोहरी का पायजामा रंगवा कर दे दिया...! पत्नी खुशी जाहिर करते हुए नहीं थक रही... पिताजी पाजामा ढूँढते नहीं थक रहे... और...पति एक कोने में बैठकर हंसते -हंसते नहीं थक रहा...!!!

मरीज - डॉक्टर, मैं खाना न खाऊं, तो मुझे भूख लग जाती है, ज्यादा काम करता हूँ तो थक जाता हूँ, देर तक जगा रहूँ तो नींद आ जाती है, मैं क्या करूँ... डॉक्टर - रात भर धूप में बैठे रहो, सही हो जाओगे...

कहानी

सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

कहानी से सीख: जीवन में हमेशा सच बोलना चाहिए।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



पंडित संदीप आनंद शर्मा

मेष 	कार्यक्षेत्र में सक्रियता से लाभ मिलेगा। व्यापार में नए सौदों पर बात आगे बढ़ेगी। प्रेम जीवन में निकटता और मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुधरने के अवसर हैं।	तुला 	नौकरी में नए अवसर मिलने की उम्मीद है। साझेदारी में बेहतर तालमेल से लाभ होगा। प्रेम जीवन में आकर्षण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
वृषभ 	कार्यस्थल पर संयम से काम लेना जरूरी है। व्यापारिक जोखिम से दूर रहना हितकर है। परिवार में वाणी पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक व्यय से बजट बिगड़ सकता है।	वृश्चिक 	प्रतिस्पर्धियों से निपटने में सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी के मामलों में अवसर आएंगे। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। अचानक आर्थिक लाभ की संभावना है।
मिथुन 	कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापारिक योजनाओं को आगे बढ़ाएं। दौलत जीवन में आपसी समझ बढ़ेगी। आय के नए स्रोत मिलने के योग हैं।	धनु 	नई परियोजना की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में रुके काम आगे बढ़ेंगे। संतान से सकारात्मक खबर मिल सकती है। आय के नए अवसरों से वित्तीय सुधार होगा।
कर्क 	मेहनत का पूरा फल मिलेगा, सहयोग मिलेगा। व्यापारिक यात्राएं सफल और उपयोगी होंगी। परिवार में मांगलिक योजना बन सकती है। धन संयच के प्रयास सफल होंगे।	मकर 	काम का दबाव अधिक रह सकता है। व्यापारिक लेनदेन ध्यान से करें। परिवार के सहयोग से हल निकलेंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।
सिंह 	करियर में प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापार में नए ग्राहकों से संपर्क बनेगा। प्रेम संबंधों में निकटता आएगी। धन संबंधी स्थिति में सुधार होगा।	कुम्भ 	बुद्धिमता से कठिन काम पूरे हो सकते हैं। व्यापार में नए अनुबंध पर बातचीत बढ़ेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। आर्थिक स्थिति सुधारने के योग हैं।
कन्या 	महत्वपूर्ण काम सावधानी से निपटाएं। व्यापार में जल्दबाजी का फैसला नुकसान दे सकता है। परिवार में स्पष्ट संवाद जरूरी रहेगा। आय और व्यय का संतुलन बनाएं।	मीन 	कार्यस्थल पर आपकी वाणी प्रभावशाली रहेगी। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मांगलिक योजना बनेगी। धन बचाने का प्रयास सफल रहेगा।

फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है: श्रिया सरन

अभिनेत्री श्रिया सरन इन दिनों दृश्यम: द कन्वल्जून की सफलता से खुश हैं। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिनेत्री ने नंदिनी सलगांवकर का किरदार निभाया है। दृश्यम प्रेंचाइजी की शुरुआत से ही श्रिया, इशिता दत्ता की मां के रोल में नजर आई हैं, जो उनसे 8 साल छोटी हैं। इशिता ने अंजू सलगांवकर का किरदार निभाया है। इस फिल्म का तीसरा पार्ट अभी सिनेमाघरों में चल रहा है। श्रिया सरन की उम्र 44 साल है। वहीं इशिता की उम्र 36 साल है। श्रिया ने 'इशिता की मां का रोल निभाने पर अभिनेत्री ने कहा, हां, मतलब, यह बात अजीब लगती है।

मैंने इस बारे में सोचा भी था। मुझे लगा कि यह कैसे मेल खाता है? मगर कहानी इतनी असरदार है कि आप इन सब चीजों के बारे में सोचते ही नहीं हैं। अभिनेत्री ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर एक ही तरह के रोल में बांध दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने दृश्यम के मेकर्स की तारीफ की कि उन्होंने उम्र के अंतर को सही ढंग से दिखाया है। श्रिया ने बताया कि

दृश्यम में इशिता की मां का रोल निभाने पर दी प्रतिक्रिया

फेंचाइजी में इशिता का किरदार अंजू एक गोद ली हुई बच्ची का है। फिल्म में इस बात को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है। उन्होंने इशिता के साथ काम करने और उनके साथ अपने निजी रिश्ते में आए बदलाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, जब हमने दृश्यम पर काम शुरू किया, तो हम दोनों सचमुच बच्चे ही थे! जब तक हमने दृश्यम 2 की शूटिंग की, तब तक उसकी शादी हो चुकी थी। मुझे याद है कि हम जिंदगी के बारे में बातें करते थे। तीसरी फिल्म तक, हम बच्चों के बारे में बातें कर रहे थे। उन्होंने अपनी को-स्टार को एक बेहतरीन मां भी बताया।

मराठी अभिनेत्री मधु काबिकर का 73 साल की उम्र में निधन

मराठी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से एक दुख भरी खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेत्री मधु काबिकर का निधन हो गया है। वह 73 साल की थीं। उनका निधन पुणे में हुआ। अभिनेत्री पिछले कई वर्षों से बीमारी से जूझ रही थीं। आखिरकार आज उनका निधन हो गया है। उनके निधन से मराठी सिनेमा के कलाकार दुखी हैं। मधु काबिकर का जन्म 28 जुलाई, 1953 को बीड जिले में हुआ था। उनके करियर की शुरुआत स्टेशन शो से हुई थी। शो के बाद उन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर कदम रखा। उन्होंने फिल्मों, लोक नाटक, कमर्शियल थिएटर और टेलीविजन सीरियल में अहम रोल निभाए हैं। जाने-माने निर्देशक राजदत्त की फिल्म शापित में मधु काबिकर की अदाकारी को खास पहचान मिली थी। वह हेव माझा माहेर, रघुमैना, एक होता विदूषक, झपटलेला, देबू और येऊ का घरात जैसी फिल्मों में नजर आईं। फिल्मों में शानदार करियर बनाने के बाद अभिनेत्री जिंदगी में एक ऐसा समय भी



आया, जब वह बीमार हो गईं। ब्रेन स्ट्रोक के बाद उनकी सेहत और बिगड़ गई। इससे उनकी पूरी जिंदगी बदल गई। नवंबर, 2016 को मधु एक स्टेशन परफॉर्मेंस करने वाली थीं। डॉस करते हुए अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। मगर उन्होंने डॉस करना बंद नहीं किया। परफॉर्मेंस पूरा करने के बाद वह मेकअप रूम में आईं। यहां उन्हें ब्रेन स्ट्रोक आया। इसके बाद उनका दाहिना हाथ सुन्न हो गया। बीमारी की वजह से मधु काबिकर को अभिनय से दूरी बनानी पड़ी। 2018 में उन्हें जी चित्र गौरव अवॉर्ड्स सेरेमनी में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। अपनी खराब सेहत की वजह से वह अवॉर्ड लेने के लिए सेरेमनी में नहीं आ सकीं। मधु काबिकर की तरफ से उनकी बहू शीतल जाधव ने अवॉर्ड लिया।

मुझे मेरे कर्मों पर भरोसा है : तनुश्री दत्ता

नाना पाटेकर के निधन के बाद से तनुश्री दत्ता ने फिर से उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वो आए दिन नाना पर कमेंट कर रही हैं। उन्होंने नाना की मौत को ईवल डेड बताया है। हाल ही में तनुश्री ने महाकाल के दर्शन किए। मां से एक्ट्रेस ने सारी बुराइयों को खत्म करने की अपील की। इस बीच एक्ट्रेस का इंस्टा स्टोरी पर क्रिटिक पोस्ट सामने आया है। पोस्ट में लिखा है- सोचिए जिस इंसान ने पब्लिकली दो दशकों तक एक सच्ची आत्मा को अब्युज, टॉर्चर और ट्रॉमा दिया हो, उसकी पूरी कम्प्यूनिटी सराहना करती है। ऐसे धिनीने

उन्होंने दूसरी पोस्ट में लिखा है- मुझे मेरे कर्मों पर भरोसा है, मुझे रूलाने वाले खून के आंसू रोएंगे। तनुश्री दत्ता ने इससे पहले एक इंटरव्यू में कहा था- जब मुझे नाना की डेथ की खबर मिली मेरे दिमाग में आया- सच में मरा है या भाग गया? उन्होंने नाना को

लोकतंत्र में आवाज उठाने की आजादी होनी चाहिए : कुरैशी

दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के बीच हुमा कुरैशी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे लोकतांत्रिक देश में नागरिक अधिकारों की बात करती दिख रही हैं। हुमा कुरैशी ने इस बात पर जोर दिया है कि लोगों को सवाल पूछने का अधिकार होना चाहिए। हुमा कुरैशी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें हुमा ने लिखा है, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार और जवाबदेही की मांग करना बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार हैं, न कि सत्ता में बैठे लोगों की ओर से दी गई कोई मेहरबानी। शांतिपूर्ण असहमति जताना कोई अपराध नहीं है। सवाल पूछना कोई अपराध नहीं है। जवाबदेही की मांग करना कोई अपराध नहीं है।

बोलीं- मैं किसी राजनीतिक पार्टी के साथ नहीं हूं

बोलीं- मुझे रूलाने वाले खून के आंसू रोएंगे

एक अब्युजर के लिए निकली तारीफों ने मेरे दिल में उनकी इज्जत को खत्म कर दिया है। मैं इन सबकी आत्मा को नाना के पास भेजूंगी। जो मैंने भुगता है उसे वो लोग 10 हजार सालों तक लगातार भुगतेंगे। तनुश्री ने लिखा कि जो लोग एक शैतान की तारीफ कर मेरे ट्रॉमा को नहीं समझे, ये उनकी सच्चाई को दिखाता है। इससे उनका कैरेक्टर सामने निकलकर आता है।

मुंबई प्रोटेस्ट: आमिर खान की भांजी जायन मैरी ने दिखाए चोट के निशान

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान की भांजी और अभिनेत्री जायन मैरी खान हाल ही में मुंबई में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की हिरासत में लिए जाने के बाद चर्चा में हैं। हिरासत में लिए जाने के कुछ घंटों बाद जायन मैरी खान,



अभिनेता इमरान खान और लेखा वॉशिंगटन को छोड़ दिया गया था। रविवार को जायन मैरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इसमें वह कैमरे के सामने अपने शरीर पर दिख रहे चोट के निशान दिखाती नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, हमें इतना मत डराओ कि हमारे अंदर डर ही खत्म हो जाए। जायन मैरी खान, इमरान खान और लेखा वॉशिंगटन शनिवार को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में मौजूद थे। यहां सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) की ओर से विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया था और कुछ घंटों बाद उन्हें रिहा कर दिया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, अगस्त क्रांति मैदान में प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं मांगी गई थी। पुलिस ने यह भी कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, विरोध प्रदर्शन केवल आजाद मैदान में किए जा सकते हैं। पुलिस के मुताबिक, इस कार्रवाई के दौरान 400 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया था। सीजेपी ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया था। यह विरोध मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर किया जा रहा है। इसी प्रदर्शन के समर्थन में शनिवार को मुंबई में भी कई संगठनों और कार्यकर्ताओं

ने किसी राजनीतिक पार्टी या व्यक्ति के साथ नहीं हूं। मैं उन नागरिकों के साथ हूं, जो जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ हूं और हर उस भारतीय के साथ हूं, जो असहमति जताने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है। इस देश के लिए मेरे प्यार की वजह से ही मैं चुप नहीं रह सकती। मुझे पता है कि आवाज उठाने पर मुझे गालियां मिल सकती हैं, मुझ पर निजी हमले हो सकते हैं। मेरे आर्थिक मामलों की जांच हो सकती है या मुझे पेशेवर नुकसान उठाना पड़ सकता है। तो ऐसा ही सही। मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, माफी मांगने की कोई वजह नहीं है। अपनी देशभक्ति साबित करने की भी कोई जरूरत नहीं है। अभिनेत्री आगे लिखती हैं, देशभक्ति का मतलब चुप रहना नहीं है। डेमोक्रेसी का मतलब आंख मूंदकर बात मानना नहीं है। असहमति का मतलब देश-विरोधी होना नहीं है। दुनिया देख रही है। हमें और बेहतर करना होगा। जय हिंद।

एकजुट होकर विरोध जताया। पुलिस ने बिना अनुमति के प्रदर्शन करने पर कई लोगों को हिरासत में लिया।

केरल में सियासी भूचाल, विस की वैधता पर सवाल

» केरल विधानसभा के 140 सदस्यों में से 137 सदस्यों के समर्थन से पारित किया गया प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल में सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव पर राज्य सियासी तनाव जारी हो गया। भाजपा और कांग्रेस में एक दूसरे पर वार-पलटवार जारी हो गया है। बता दें एक तरफ जहां केरल की यूडीएफ सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त -सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया है, वहीं दूसरी तरफ इस कदम ने राज्य की राजनीति में नया बवंडर खड़ा कर दिया है। महज पांच महीने पहले चुनाव जीतने वाली कांग्रेस पर अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उसी चुनावी जनादेश और विधानसभा की वैधता को लेकर तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। हालांकि, इस कदम की भाजपा ने आलोचना की है।

भाजपा ने सवाल उठाया है कि एसआईआर पाँच महीने बाद राज्य में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस इस प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर कैसे सवाल उठा सकती

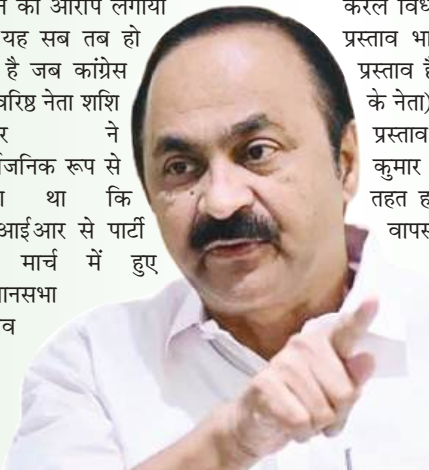
धोखाधड़ी की राजनीति कर रही कांग्रेस : राजीव चंद्रशेखर

बीजेपी ने इस साफ विरोधामास को लेकर कांग्रेस की आलोचना की है। उसने उस चुनावी प्रक्रिया पर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाया है जिससे उसे हाल ही में राज्य-स्तरीय जीत मिली थी, राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी पर धोखाधड़ी की



राजनीति करने का आरोप लगाया है। केरल के अलावा, कांग्रेस तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में सरकार चला रही है और तमिलनाडु, झारखंड व जम्मू-कश्मीर में सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा है।

हैं और पार्टी पर धोखाधड़ी वाली राजनीति करने का आरोप लगाया है। यह सब तब हो रहा है जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सार्वजनिक रूप से माना था कि एसआईआर से पार्टी को मार्च में हुए विधानसभा चुनाव



जीतने में मदद मिली होगी। सोमवार को केरल विधानसभा में पास किया गया यह प्रस्ताव भारत में अपनी तरह का पहला प्रस्ताव है। केरल के मुख्यमंत्री (विपक्ष के नेता) वीडी सतीसन के अनुसार, इस प्रस्ताव में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, एसआई प्रक्रिया के तहत हटाए गए योग्य मतदाताओं को वापस जोड़ने और चुनाव आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया में बड़े बदलाव की मांग की गई है। सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी द्वारा

चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी से कोई समझौता नहीं : सतीसन

सीएम सतीसन ने एक्स पर प्रस्ताव की जरूरत बताते हुए लिखा, हमारी चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। वोटर लिस्ट में बदलाव, योग्य वोटरों का वोट देने का अधिकार छिनना और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, वोट देने का अधिकार हमारे लोकतंत्र की नींव है। किसी भी संस्था को हमारे नागरिकों के सैधान्तिक अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हमारा रुख साफ है। वोट देने के अधिकार की रक्षा होनी चाहिए। संविधान का सम्मान होना चाहिए। लोकतंत्र बना रहना चाहिए।

पेश किए गए इस प्रस्ताव को केरल विधानसभा के 140 सदस्यों में से 137 सदस्यों के समर्थन से पारित किया गया। जैसा कि उम्मीद थी, इसके खिलाफ केवल तीन वोट बीजेपी विधायकों के थे, जो मार्च में हुए विधानसभा चुनावों में अपनी-अपनी सीटों से चुने गए थे। लेकिन, इस कदम ने केरल में कांग्रेस सरकार को राजनीतिक रूप से मुश्किल स्थिति में डाल दिया है।

पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो मैचों से बाहर

» तीसरे मैच में खेलने की उम्मीद, ध्रुव जुरेल लेंगे ऋषभ पंत की जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ भारत ए के लिए शुरूआती दो मैचों से बाहर हो गए हैं। पंत चोटिल होने के कारण शुरूआती दो मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि पंत के तीसरे मैच में उपलब्ध होने पर बाद में सूचना दी जाएगी। पुरुष चयन समिति ने पंत की जगह दो मैचों के लिए कुमार कुशाग्र को भारत ए टीम में शामिल किया है।

बीसीसीआई ने बयान में कहा, पंत की न्यूजीलैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम में उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर थी। उन्हें पहले दो मैचों से बाहर कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज को ईरानी कप

में शेष भारत की कप्तानी करते समय लेफ्ट साइड स्ट्रेन आ गया था। वह फिलहाल बीसीसीआई मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और तेजी से रिकवर कर रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

भारत ए टीम 24 अक्टूबर से 10 नवंबर तक न्यूजीलैंड के दौरे पर तीन मैचों की अनौपचारिक टेस्ट सीरीज खेलेगी। ये मैच लिंकन और क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे। टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिन्हें सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है, जिसमें केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से भारत ए की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। इन खिलाड़ियों के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले तैयारियां पुख्ता करने का अच्छा अवसर होगा।

भारत ए टीम की कप्तानी ध्रुव जुरेल करेंगे। वह विकेट कीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।



आखिरी टी20 में वैभव को मिल सकता है मौका

मुंबई। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर टीम प्रबंधन से खास अपील की है। उनका मानना है कि भारत को पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम करनी चाहिए और फिर आखिरी मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव को खेलने का मौका देना चाहिए। भारत की कप्तानी कर रहे श्रेयस अय्यर की टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और खिताब जीतने के लिए उसे एक और जीत की जरूरत है। नायर ने कहा कि अगर भारतीय टीम चौथा टी20 जीतकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना लेती है, तो टीम प्रबंधन आखिरी मुकाबले में वैभव को आजमा सकता है। युवा सलामी बल्लेबाज को अब तक इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम शीर्ष क्रम में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को लगातार समर्थन दे रही है। नायर ने कहा, मैं चाहूंगा कि भारत 3-1 की बढ़त हासिल कर ले और आखिरी मैच में सूर्यवंशी खेले। इसलिए इसे आसान रखिए। पहले 3-1 से सीरीज अपने नाम कीजिए और फिर आखिरी मुकाबले में सूर्यवंशी को खेलने दीजिए।

सरकार हमें रामलीला मैदान दे दे, हम वहां भी प्रदर्शन के लिए तैयार हैं : सौरभ भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वोट चोरी के खिलाफ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन जारी है। सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी आम आदमी पार्टी के नेता और एसेप कार्यकर्ता जंतर-मंतर जाने के लिए सड़कों पर उतरे। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत अन्य नेताओं को पुलिस ने रोका और उन्हें बस में बैठा दिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होगा, तब तक प्रदर्शन जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हम अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए अपना हक मांगते रहेंगे और ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर रहेंगे। सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में डी-नोटिफाई करना सरकार की घबराहट को दर्शाता है।

सरकार को लग रहा है कि 50 हजार पुलिस वाले भी जंतर-मंतर को नहीं बचा



पा रहे हैं क्योंकि जनता, बच्चे और लड़कियां वहां पहुंच रहे हैं। इसलिए सरकार अब लोगों को दूर भेजना चाहती है। कोई बात नहीं, सरकार हमें रामलीला मैदान दे दे, हम रामलीला मैदान में भी प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि जहां भी जगह मिलेगी, वहां आंदोलन और सत्याग्रह होगा।

राजधानी में बढ़ने लगी मारफिन की खेप

» दुबग्गा में 32 करोड़ की इग्ज फैक्ट्री का भंडाफोड़
» बड़ी कार्रवाई, बी-फार्मा कर चुके दो आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में गांजे के साथ अब मारफिन न जैसे खतरनाक मादक पदार्थों के अवैध कारोबार का नेटवर्क भी सामने आने लगा है। पिछले दिनों जानकीपुरम में दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 50 करोड़ रुपये की मारफिन न बरामद करने के दावे के बाद अब दुबग्गा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की लखनऊ टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। दुबग्गा थाना क्षेत्र के मसिपतमऊ स्थित अंधे की चौकी इलाके में एक मकान के भीतर हो रही संचालित हेरोइन बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय



बाजार में अनुमानित कीमत करीब 32 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमजद और जुहैल के रूप में हुई है। दोनों बी-फार्मा की पढ़ाई कर चुके बताए जा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग गुवाहाटी से मारफिन बनाने के लिए कच्चा माल मंगवाते थे और दुबग्गा स्थित मकान में मादक पदार्थ तैयार कर झारखंड समेत कई अन्य राज्यों में सप्लाई करते थे।

अब अदालत में साबित होगी सच्चाई : अकोइजम

» जेएनयू मामले में एफआईआर पर बोले सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के जेएनयू में अपने ऊपर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में दर्ज एफआईआर पर कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है। मामले की सच्चाई पर जेएनयू की उस खाप पंचायत के बजाय अदालत में चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कि मैंने देखा है कि नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। मैं हमेशा यही सवाल करती हूँ कि क्या वे ऐसा किसी ताकतवर मंत्री, सांसद या विधायक के साथ करते जो तथाकथित मेनस्ट्रीम (मुख्यधारा) से हो? उन्होंने कहा कि मैंने अच्छे मार्क्स के बदले सेक्स की मांग की। क्या उनके लीक हुए आरोपों में भी यह बात है? ऐसा नहीं है, शिकायत में भी यह बात नहीं है।



कांग्रेस सांसद ने कहा कि वे 11 लोगों की बात कर रहे हैं। जबकि कुल 97 स्टूडेंट्स में से 15 लोग हैं, जिनमें लड़के भी शामिल हैं। क्या पोश एक्ट के तहत लड़के शिकायतकर्ता हो सकते हैं? यह उस सिस्टम का पूरी तरह मज़ाक उड़ाना है जिसे सुरक्षा और जेंडर जस्टिस के लिए बनाया गया था... इतने लंबे समय तक इस देश की सेवा करने के बाद मैं मणिपुर वापस जा रही हूँ। मुझे यहाँ अपनी जड़ें तलाशनी हैं। अगर आपको लगता है कि इस देश की इतनी सेवा करने के बाद आप मेरे साथ ऐसा बर्ताव कर सकते हैं, तो आपको इसके नतीजे भी देखने को मिलेंगे। इससे पहले पूरे देश में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता कांग्रेस के लोकसभा सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजम की गिरफ्तारी और सरपेंशन की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही हैं। अकोइजम लोकसभा में इन मणिपुर का प्रतिनिधित्व करते हैं और उन पर जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में महिला स्टूडेंट्स के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। यह विरोध-प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब कांग्रेस और इंकडश ठबंधन के दूसरे नेता सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च कर रहे हैं।

6.400 किलो सैदिग्ध मादक पदार्थ समेत कार और छह मोबाइल बरामद

एनटीएफ की लखनऊ टीम ने छापेमारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 3.600 किलोग्राम सूखा पाउडर और 2.800 किलोग्राम पिंडीनुमा गीला पदार्थ बरामद किया है। दोनों का कुल वजन 6.400 किलोग्राम बताया गया है। इसके अलावा एक 32 बोर पिस्टल, छह कार्ट्रिज, 16,170 रुपये नकद, एक स्कूटी, एक हंडई वेन्यू कार और छह मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। बरामद ज़िगाना पिस्टल की कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये बताई जा रही है। टीम अब आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

फिलहाल गिरफ्तार अमजद और जुहैल से पूछताछ के जरिए इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। जांच का अहम पहलू यह भी होगा कि मारफिन बनाने के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराने वाले और तैयार माल को दूसरे राज्यों में सप्लाई करने वाले लोग कौन हैं।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

राफेल डील को लेकर पीएम मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी का मामला, मानहानि के ट्रायल पर कोर्ट ने रोक लगाई, याचिकाकर्ता को नोटिस जारी किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राफेल डील को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणी का मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गिरगांव कोर्ट में चल रहे मानहानि के ट्रायल पर कोर्ट ने रोक लगा दी है। राहुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करके चार हफ्ते में जवाब मांगा है। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की थी।

राहुल ने महाराष्ट्र के गिरगांव की अदालत में चल रहे मानहानि के मुकदमे को रद्द करने की मांग की है। बीजेपी कार्यकर्ता की ओर से दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने राजस्थान में हुई एक रैली में राफेल सौदे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चोरों का सरदार कहा था। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया था, राहुल



ने इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने आदेश दिया है। मामला 2018 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे

गांधी परिवार की संपत्तियों पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार से जुड़ी संपत्तियों को लेकर प्रवर्तन निदेशालय-ईडी को दिल्ली हाई कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। हाई कोर्ट ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की कुर्क की गई संपत्तियां छुड़ाने के लिए अपीलौर न्यायाधिकरण जाने से रोकने का आदेश देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सचिन दत्ता की अदालत ने साफ किया कि वह

इस स्तर पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं कर रही है। ईडी ने यह याचिका उस ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए दाखिल की है, जिसमें गांधी परिवार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत को बताया

कि संबंधित कंपनियां ट्रायल कोर्ट के आदेश का इस्तेमाल कर कुर्क की गई संपत्तियों को छुड़ाने के लिए पीएमएलए अपीलीय न्यायाधिकरण का रुख कर रही हैं।

ट्रायल कोर्ट ने ईडी की शिकायत पर उठाए थे सवाल?

इस मामले में राजू एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोहने ने 16 दिसंबर, 2025 को ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि ईडी की अभियोजन शिकायत कानून के तहत सुनवाई योग्य नहीं है, क्योंकि यह पीएमएलए के तहत तय अपराध से जुड़ी एफआईआर आधारित नहीं थी।

को लेकर राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। राहुल ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कमांडर-इन-थीफ और चोरों के सरदार जैसे शब्दों का

इस्तेमाल किया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मानहानि मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर फिलहाल रोक रहेगी।



तिरंगा फहराना गुनाह है क्या : दिपके

कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने पर भड़की सीजेपी, बोले -और उग्र होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने के बाद सीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने पर पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने दिल्ली पुलिस और सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इसे विरोध की आवाज दबाने की कोशिश बताया, हिरासत में लिए गए लोगों को वकील से बात करने देने की मांग की और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक तिरंगा फहराने का आंदोलन जारी रखने का एलान किया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर तिरंगा फहराने को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी और दिल्ली पुलिस के बीच विवाद बढ़ गया है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने अपने साथियों को हिरासत में लिए जाने पर सरकार और दिल्ली पुलिस को घेरा है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने को कानून का उल्लंघन मानता है, तो वह देशद्रोही है। दिपके के मुताबिक, तिरंगा फहराने पर लोगों को हिरासत में लेना समझ से परे है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्रवाई के विरोध में आंदोलन और तेज किया जाएगा। दिपके ने बताया कि उनकी टीम



‘हिरासत में लिए गए लोगों को वकील से बात करने दें’

मीडिया से बात करते हुए सीजेपी नेता ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं के कानूनी अधिकारों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिल्ली पुलिस सभी को अपने वकीलों से बात करने की अनुमति देगी। दिपके ने आरोप लगाया कि उनके साथ पहले भी ऐसा हो चुका है, जब उन्हें 24 घंटे तक वकील से बात करने की इजाजत नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि किसी को भी इस तरह हिरासत में लेकर उसके कानूनी अधिकारों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

मंगलवार सुबह जंतर-मंतर पहुंची थी और वहां तिरंगा फहराया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनके साथियों आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे समेत कई लोगों को हिरासत में ले लिया। दिपके ने पुलिस की कार्रवाई

हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जगह रखा गया

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में हिरासत में लिए गए पार्टी सदस्यों अशुतोष, अजिंक्य और सौरव को अलग-अलग रखा गया है, जबकि उनके साथ मौजूद 11 स्वयंसेवकों को किसी दूसरी जगह ले जाया गया है। दिपके ने बताया कि उन्होंने पार्टी की कानूनी प्रमुख रत्ना सिंह से बात की थी, जिन्होंने उन्हें यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब पार्टी के वकील

पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। दिपके के मुताबिक, पार्टी के अन्य सदस्यों को भी वहां हिरासत में लेने की धमकी दी गई। उन्होंने देश में तानाशाही चलने और नियमों की अनेदखी होने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया कि आखिर सरकार किस बात से डर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में यह भी सवाल किया कि ज्ञानेश कुमार को इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है।

पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्वज फहराना कब से अपराध हो गया? उन्होंने मांग की कि अगर तिरंगा फहराने के लिए उनके साथियों पर आरोप लगाए जाते हैं, तो इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन से जुड़े मामले की सुनवाई 15 तक टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त-सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध मार्च से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 15 अक्टूबर तक के लिए सुनवाई टाल दी है। मामले में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने, इंटरनेट बंद करने और मेट्रो तथा रेल सेवाओं में व्यवधान से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। सुनवाई टालने की वजह बेंच की सदस्य जस्टिस वी. मोहना की तबीयत खराब होना है। वह लंबे समय तक सुनवाई करने की स्थिति में नहीं थीं। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने भी अभी तक मामले में अपना जवाब दाखिल नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 15 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले पर इसी दिन आगे सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की विशेष सुनवाई हो रही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए दिल्ली मेट्रो स्टेशनों और ट्रेन सेवाओं को व्यापक रूप से बंद करना न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही हैं। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मुद्दों को उठाने वाली याचिकाएं दायर करने वाले याचिकाकर्ताओं को मंगलवार को आश्वासन दिया कि उनकी सभी अर्जियों को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष कई याचिकाओं का उल्लेख कर उन्हें तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया गया।

कल 9 घंटे के भीतर 12 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल का मौसम 14 अक्टूबर 2026 उत्तर-पूर्वी मानसून के आक्रामक प्रहार के बीच अब एक बार फिर से मौसम विभाग ने नया अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक कल यानी 14 अक्टूबर को यूपी, बिहार, दिल्ली समेत 12 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक की आंधी चल सकती है।

ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उत्तराखंड में तूफानी हवा चलने की चेतावनी

75 की स्पीड से हवा भी चलेगी

है। वहीं, पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश के चलते तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

इसके अलावा 3 से अधिक राज्यों में बर्फबारी और ओले गिरने की संभावना है। किसानों को खास सतर्क रहने के लिए कहा गया है। उत्तर भारत के कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली और वज्रपात गिरने की चेतावनी है। समुद्री किनारों से मछुआरों को दूर जाने की सलाह दी गई है। वहीं, इस बीच बंगाल की खाड़ी से चलने वाली तेज हवाएं पूर्वी भारत में कहर बरपा सकता है।

ईडी ने रामपुर जेल में जाकर आजम से की पूछताछ

जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की चल रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट-ईडी ने 13 अक्टूबर को रामपुर जिला जेल में समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान से पूछताछ की। यह पूछताछ मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की चल रही जांच के सिलसिले में की गई।

ED के लखनऊ जोनल ऑफिस की एक टीम दिन में रामपुर जेल पहुंची और एजेंसी की जांच के दौरान इकट्ठा किए गए सबूतों के आधार पर पूछताछ की। यह पूछताछ उस बैरक में हुई जहां आजम खान अभी बंद हैं, और यह प्रक्रिया जारी रही। सरकारी कॉन्ट्रैक्ट के फंड को प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर्स के ज़रिए दूसरी जगह



लगाने और बाद में उनके इस्तेमाल के आरोपों की जांच के तहत फेडरल एजेंसी ने उनका बयान दर्ज किया। इसमें मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ी संपत्तियां बनाना भी शामिल है। यह घटनाक्रम करीब ढाई महीने पहले उत्तर प्रदेश और दिल्ली में आजम खान से जुड़ी दस जगहों पर ईडी की छापेमारी के बाद हुआ है। ये ऑपरेशन 19 अगस्त को शुरू

हुए थे और इनमें उत्तर प्रदेश के रामपुर और सहारनपुर के साथ-साथ दिल्ली की जगहें भी शामिल थीं। जिन जगहों पर तलाशी ली गई, उनमें मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी भी शामिल थीं; इस यूनिवर्सिटी की स्थापना आजम खान ने 2006 में की थी और यह रामपुर में स्थित एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी है। ईडी ने कहा कि अब तक की जांच से पता चला है कि कुछ कॉन्ट्रैक्टर्स और ट्रस्ट के बीच पैसों का लेन-देन हुआ है और सरकारी कॉन्ट्रैक्ट से फायदा उठाने वाले कॉन्ट्रैक्टर्स ने फंड को मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की तरफ मोड़ दिया, जिसमें भारी डोनेशन और कंस्ट्रक्शन का काम शामिल है।